श्रीलंका रामायण यात्रा अशोक वाटिका, सिगिरिया, कैंडी, नुवारा एलिया यात्रा

यात्रा समयः 08 दिन

यात्रा प्रारम्भः 17 मार्च, 15 जुलाई, 30 अगस्त, 20 नवम्बर 2026

दिन	दर्शनीय स्थल
1 दिन	✈ **दिल्ली/जयपुर/इंदौर/मुंबई** एयरपोर्ट से कोलंबो एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान। रात्रि विश्राम नेगोम्बो
2दिन	**पिन्नावाला** हाथी अनाथालय (चिड़ियाघर)। **मातले** श्रीलंका की अर्थव्यवस्था का आधार मसालों व जड़ी-बूटियों का गार्डन भ्रमण। **कैंडी सिटी** भ्रमण, जेम्स म्यूजियम श्रीलंका का सांस्कृतिक कार्यक्रम, कैंडी झील अवलोकन, बौद्ध मंदिर दर्शन। (रात्रि विश्राम कैंडी)
3दिन	**रामबोडा** पंच वाटर फॉल अवलोकन, हनुमान मंदिर (जहां हनुमान जी को पहली बार देखा गया)। **नुवारा एलिया** 108 शिवलिंग मंदिर (मेघनाथ तपस्वी हनुमान) महा गुरुकुल म्यूसियम, गुरु पीठम, गायत्री पीठ, ग्रेगरी पार्क व लेक भ्रमण। (श्रीलंका का कश्मीर)। **सीता एलिया** (अशोक वाटिका), विश्व प्रसिद्ध माँ सीता मंदिर, हनुमान प्रतिमाएं, सीता हनुमान मिलन स्थल, सीता नदी (यहां माँ सीता ने हनुमान जी को अपना अँगूठी व चूड़ामणि दिया)। ग्रेगरी झील अवलोकन। (रात्रि विश्राम नुवारा एलिया) **दिविथोटावेला** अग्नि परीक्षा स्थल (इस पवित्र भूमि पर मां सीता जी ने अपने अस्तित्व की अग्नि परीक्षा दी)। सीता माता का अध्यात्मिक ऊर्जा मंदिर।
4दिन	**सीलॉन** टी प्लांटेशन, टी गार्डन, टी फैक्ट्री (जहां चाय का निर्माण कर पूरा प्रोसेस देखा जाता है)। **सिगिरिया रॉक** (भारतीय मान्यता के अनुसार-अलोकिक रावण महल के चारों ओर की परिक्रमा स्वयं ऑटो के द्वारा, रावण कैनाल। (रात्रि विश्राम सिगिरिया)
5दिन	**त्रिंकोमाली** बीच, डियर पार्क, कोनेश्वर मंदिर दर्शन (श्री रामचंद्र जी द्वारा स्थापित श्रीलंका में तीसरा मंदिर), शक्तिपीठम मंदिर दर्शन, रावण वेटू, रावण युद्ध परिक्षण भूमि (जहां शंकर भगवान द्वारा रावण को एक शक्तिवान तलवार दी थी जिसका शक्ति परीक्षण से पहाड़ के दो टुकड़े देखने को मिलेंगे। शंकरी देवी (इंद्रक्षी देवी) (51 शक्तिपीठों में शामिल, यहां माँ सती की दाये पेर की पायल गिरी थी), लक्ष्मीनारायण मंदिर दर्शन। (रात्रि विश्राम त्रिंकोमाली)
6दिन	**जयवरधनेपुरा** मानावती मंदिर (शंकरजी) (श्री रामचंद्र जी द्वारा स्थापित श्रीलंका में दूसरा मंदिर)। **चिलाव** मुन्नेस्वरम (भगवान शंकर मंदिर, श्री रामचंद्र जी द्वारा स्थापित श्रीलंका में पहला मंदिर)। **निमंगो** श्रीलंका का विश्व प्रसिद्ध भगवान मुरुगन (कार्तिकेय जी) मंदिर दर्शन। (रात्रि कोलंबो)।
7दिन	**कोलंबो** विभीषण मंदिर, अंजनेयार मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर, शनिदेव मंदिर कोलंबो सिटी टूर, इंडिपेंडेंट स्क्वेर, गंगाराम बौद्ध मंदिर, गैल फेस ग्रीन, लोटस टॉवर व मार्केटिंक। (रात्रि कोलंबो)।
8दिन	✈ **दिल्ली/जयपुर/इंदौर/मुंबई** एयरपोर्ट पर मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा समापन।

नोट: कृपया श्रीलंका विदेश यात्रा के नियम पेज नं 38 को ध्यानपूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक करायें।

श्रीलंका विदेश यात्रा के नियम व सुविधाएँ

यात्रा शुल्क: यात्रा का कुल किराया ₹69,000/- प्रति यात्री होगा, हवाई यात्रा (कोलंबो आने-जाने की टिकट), होटल में डबल बेड रूम, वीजा का खर्च, भोजन, स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण एवं ट्रांसपोर्ट आदि शामिल हैं। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹25,000/- प्रति यात्री 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I. बैंक खाते में जमा करवा दें। शेष राशि यात्रा प्रारंभ से 7 दिन पूर्व जमा करना आवश्यक है। यदि कोई यात्री बुकिंग के बाद यात्रा रद्द करता है तो अग्रिम राशि वापिस नहीं की जाएगी। यात्रा तिथि नजदीक आने पर फ्लाइट टिकट का मूल्य बढ़ सकता है, जिससे किराये में वृद्धि का अंतर यात्री द्वारा देय होगा।

भोजन व निवास: प्रतिदिन चाय, नाश्ता, दोपहर व रात का शाकाहारी भोजन मिलेगा। जो होटल मेनू में निश्चित रहेगा। भोजन होटल या स्थानीय रेस्तरां में उपलब्धता अनुसार दिया जाएगा। यात्रियों को डबल बेड कमरे दिए जाएँगे। यदि कोई यात्री सिंगल रूम लेना चाहता है तो उसे ₹8,000/- अतिरिक्त शुल्क देना होगा। होटल का चेक-इन/चेक-आउट स्थानीय नियमों एवं समय के अनुसार होगा।

हवाई यात्रा व सामान नियम: हवाई यात्रा हेतु प्रत्येक यात्री को 20 किलो तक का चेक-इन सामान एवं 7 किलो तक का हैंड बैग ले जाने की अनुमति होगी। अतिरिक्त सामान का शुल्क यात्रिओं द्वारा स्वयं दिया जाएगा। हवाई अड्डे पर ट्रांसफर के दौरान यात्रियों को अपना सामान स्वयं संभालना होगा।

आवश्यक दस्तावेज: यात्रा के लिए पासपोर्ट की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है। पासपोर्ट की वैधता यात्रा की तिथि से कम से कम 6 महीने शेष होनी चाहिए। यात्रियों को हमेशा मूल पासपोर्ट, वीज़ा एवं ई-टिकट साथ रखना होगा। वैध दस्तावेज़ न होने पर बोर्डिंग की अनुमति नहीं होगी और यात्रा का शुल्क वापस नहीं होगा। बुकिंग के बाद पासपोर्ट की डिटेल पेज की कॉपी **WhatsApp (9640100200)** पर भेजनी होगी।

स्थानीय परिवहन: यात्रा हेतु A/C बस/वैन/मिनी कोच की व्यवस्था की जाएगी। ग्रुप के अनुसार वाहन चुना जाएगा। कुछ शहरों में स्थानीय यातायात नियमों और संकरी गलियों के कारण छोटे वाहन भी प्रयोग किए जायेंगे ।

विशेष निर्देश व नियम: दर्शनीय स्थलों के प्रवेश शुल्क, बोटिंग, रोपवे, पोर्टर, वाटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर गतिविधियाँ, पारंपरिक शो तथा व्यक्तिगत शॉपिंग आदि के खर्च पैकेज में शामिल नहीं हैं। हमारे द्वारा उल्लेखित सुविधाओं के अतिरिक्त यदि यात्री स्वयं कोई अतिरिक्त खर्च करते हैं, तो उसका भुगतान उन्हें स्वयं करना होगा। श्रीलंका में आगमन के बाद, आप एयरपोर्ट पर अपनी आवश्यकता अनुसार स्थानीय मुद्रा (रूपया) और सिम कार्ड ले सकते हैं। अपने सामान और सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रत्येक यात्री की स्वयं होगी। किसी भी प्रकार की व्यक्तिगत बीमारी, दुर्घटना या मूल्यवान वस्तुओं के नुकसान की जिम्मेदारी संस्था नहीं लेगी। अगर कोई यात्री अस्वस्थ होकर यात्रा बीच में छोड़ देता है, तो वाहन की व्यवस्था और खर्च यात्री का स्वयं की जिम्मेदारी होगी। कोई भी राशि वापसी नहीं की जाएगी। आपात स्थिति में अस्पताल या डॉक्टर की व्यवस्था की जा सकती है, स्वयं यात्री के खर्चे पर। यदि कोई यात्री निर्धारित समय पर नहीं पहुँचता है, तो उसे अगले स्थान तक अपने खर्च पर पहुँचना होगा। परिवहन निर्धारित स्थलों की पार्किंग तक ही जाएंगी, वहाँ से दर्शनीय स्थलों की दूरी बहुत कम होगी, यात्री स्वयं के खर्च पर पैदल या रिक्शा द्वारा वंहा जा सकते हैं।

जरुरी दिशा-निर्देश: यात्रा के दौरान यदि कोई यात्री किसी भी कारण से कस्टम या विदेशी नियमों का उल्लंघन करते पाया जाता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी स्वयं यात्री की होगी। ऐसी स्थिति में संस्था किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगी। यात्रा को न तो रोका जाएगा और न ही स्थगित किया जाएगा, और न कोई शुल्क वापस किया जाएगा। यदि स्थानीय कानून के अंतर्गत कोई कार्यवाही होती है, तो उसका दायित्व पूर्णतः संबंधित यात्री का होगा। अतः निवेदन है कि वे विदेश के सभी नियमों और कानूनों का पालन करें।

आपात स्थिति व परिवर्तन: बाढ़, भूकंप, युद्ध, दंगा, आतंकवादी गतिविधि, त्योहार, औद्योगिक विवाद, प्राकृतिक या परमाणु आपदा, खराब मौसम, महामारी, आग, बस/प्लेन/रेल के विलम्ब आदि के कारण कुछ स्थलों के दर्शन संभव नहीं हो पाते हैं तो ऐसी स्थिति में कार्यक्रम में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में यदि यात्रा बाधित होती है, तो संस्था किसी प्रकार के हर्जाने या मुआवजे के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। यात्रा संस्था आपकी सुविधा का पूरा प्रयास करता है, फिर भी यात्रा के दौरान कुछ असुविधा संभव है । कृपया इसे स्वीकार करें और यात्रा मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।